मध्य प्रदेश कपड़ा उद्योग निगम द्वारा कपड़े की बिक्री

552. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश कपड़ा उद्योग निगम द्वारा जनवरी, 1976 से अक्तूबर, 1978 तक की अवधि म जो ब्यौरा तथा परिष्कृत (छपाई, रंगाई, धुलाई) कपड़ा बेचा गया उसकी कितनी बिल्टियां वापिस आई ह तथा कितनी बिल्टियां छुड़ाये बिना व्यापारियों ने तथा फर्म मालिकों ने माल को छुड़ाया है;

(ख) क्या एजेंटों, फर्मों और व्यापारियों को माल की बिक्री किये जाने से पूर्व कुछ शर्तें लगाई गई थीं और यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और क्या सब व्यापारियों ने इन सब शर्तों का पालन किया था ; उन व्यक्तियों और पार्टियों की संख्या कितनी है जिन्होंने नियम का उलंघन कर माल की खरीद की थी ; और

(ग) वर्ष 1976 से पूर्व काम करने वाली व्यक्तियों और पार्टियों की संख्या कितनी है और उनमें से कितने व्यक्तियों को वर्ष 1976 के बाद कपडे की बिक्री रोक दी गई थी और इसके क्या कारण ह ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती आभा माइति): (क) से (ग). मांगी गई जानकारी बड़ी लम्बी चौड़ी है तथा ऐसी जानकारी देने में पर्याप्त समय लगेगा। इन परिस्थितियों में, माननीय सदस्य यदि कोई विशेष जानकारी प्राप्त करना चाहे तो उसका उत्तर दे दिया जाएगा।

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र से रेडियो सक्रिय एल्युमिनियम पाईप का गुम होना

553. **श्री बी० जी० हांडे :**

श्री के० मालन्ना :

क्या परमाणु ऊर्जा मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ वर्ष पूर्व भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र से एक रेडियो सक्रिय एल्युमिनियम पाईप गुम हो गया था जैसा कि 24 सितम्बर, 1978 के नवभारत टाइम्स में प्रकाशित हुआ था ;

(ख) क्या इससे तथा इस चोरी के परिणामस्वरूप केन्द्र को हुई हानि से सरकार को चिन्ता हुई है ; और

(ग) चोरी के सामने आने पर मामले की तुरन्त जांच क्यों नहीं कराई गई ?

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई): (क) से (ग). एल्युमीनियम के पाइपों के कुछ टुकड़े, जिनका भार कुल मिलाकर लगभग 15 किलोग्राम था और जो मामूली सी रेडियो सक्रियता से युक्त होंगे, सन् 1969 में चुरा लिए गए थे। चोरी का पता लगते ही पूछताछ की गई और चुराया गया माल दो-तीन दिन के भीतर ही अनुसंधान केन्द्र के आस-पास बरामद कर लिया गया। उस समय इस मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई थी और संदिग्ध व्यक्तियों पर न्यायालय में मुकदमा चला तथा उन्हें सजा हो गई। सुरक्षा-व्यवस्था भी और मजबूत कर दी गई।

अनुसूचित जातियों और कमजोर वर्गों पर अत्याचार

554. **श्री बी० जी० हांडे :**

श्री बसन्त साठे :

श्री एडुआर्डो फैलीरो :

श्री शिव सम्पत्ति राम :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पूरे देश में मार्च, 1977 से अक्तूबर, 1978 तक पुलिस में दर्ज कराये गये मामलों में अनुसूचित जातियों और कमजोर वर्गों के व्यक्तियों पर किये गये अत्याचारों के मामलों की संख्या सबसे अधिक है ;

(ख) क्या अनुसूचित जातियों के व्यक्तियों पर किये गये अत्याचारों के मामलों की संख्या मार्च, 1977 से पव दर्ज कराये गये मामलों की संख्या की तुलना में अधिक है अथवा कम है ; और

(ग) क्या सरकार ने भविष्य में ऐसे मामलों की रोकथाम के लिये कोई विशेष कदम उठाये हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोनु सिंह पाटील):

(क) और (ख). उपलब्ध सूचना के अनुसार, वर्ष 1977 के दौरान अनुसूचित जातियों के प्रति अपराधों के मामलों की संख्या 1975 और 1976 में सूचित किए मामलों की तुलना में अधिक है।

(ग) ऐसे मामलों को घटना को रोकने के लिए राज्य सरकारों द्वारा विशेष कदम उठाए जा रहे हैं।

पूंछ में पाकिस्तानी सेना द्वारा गोली चलाया जाना

555. **श्री बी० जी० हांडे :** क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पाकिस्तानी सेना की टुकड़ी ने अक्तूबर, 1978 में जम्मू के पूंछ क्षेत्र में स्थित मालती गांव के निकट भारतीय सेना पर गोली चलाई थी ;

(ख) यदि हां, तो कितनी देर तक गोली चलती रही ;

(ग) उसके परिणामस्वरूप कितने भारतीय अधिकारी और जवान घायल हुए और मारे गये ;

(घ) क्या भारत सरकार ने इस संबंध में पाकिस्तान सरकार को एक रोष-पत्र भेजा है और यदि हां, तो तत्संबंधी सम्पूर्ण ब्योरा क्या है ; और

(ङ) सरकार इस बात को सुनिश्चित करने के लिये क्या कार्यवाही कर रही है कि भविष्य में देश की सीमाओं पर शांति बनी रहे ?

रक्षा मंत्री (श्री जगजीवन राम): (क) से (ग). 14 अक्तूबर, 1978 को पाकिस्तानी सेनाओं ने हमारे गश्ती दल पर जो पंछ के उत्तर में साढे तीन मील क्षेत्र की गश्त पर था अकारण गोली चलाई । वहां पास में ही स्थित हमारी चौकी ने उत्तर में गोली चलाई ताकि हमारा गश्ती दल अपने आधार-स्थल पर लौट सके । लगभग 19 मिन्टों तक दो बार रुक-रुक कर गोली चलती रही । हमारी तरफ कोई हताहत नहीं हुआ ।

(घ) हमारे स्थानीय सैनिक कमांडर ने अपने समकक्ष पाकिस्तानी सैनिक कमांडर को एक विरोध-पत्र भेजा है जिसमें उनसे कहा गया है कि वे अपने सैनिकों को इस प्रकार से उकसाने वाली गोली बारी न करने के आदेश दें ।

(ङ) किसी संघर्ष और संघर्ष को बढ़ने से रोकने के लिए भारतीय और पाकिस्तानी सैनिक कमांडरों के बीच फ्लैग बैठकें प्राय : होती रहती हैं । हमारी सुरक्षा सेनाएं सीमा पर लगातार निगरानी रख रही हैं और उन्हें आदेश है कि जहां आवश्यक हो सख्त कार्यवाई करें ।

62 उद्योगों में उत्पादन में गिरावट

556. **श्री० वी० जी० हाण्डे** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश के 62 उद्योगों में उत्पादन में गिरावट आई है ;

(ख) क्या सरकार का विचार देश के औद्योगिक विकास को तेज करने के लिये कोई ठोस कदम उठाने को हैं ; और

(ग) सरकार किन उद्योगों की ओर अधिक ध्यान देगी ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती आभा माइति) : (क) अप्रैल से अगस्त, 1978 तक की अवधि के 175 चुने हुए उद्योगों के उत्पादन संबंधी आंकड़े उपलब्ध हैं । इनमें से 49 उद्योगों के उत्पादन में गिरावट आयी हैं जबकि 126 उद्योगों के उत्पादन में वृद्धि हुई हैं । पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1978-79 के प्रथम छ : महीनों की समूचे क्षेत्र की कुल औसत उत्पादन वृद्धि के 8 प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है ।

(ख) और (ग). सरकार ने 1978-79 में औद्योगिक वृद्धि के लिए 7 से 8 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया है । वर्ष के शेष भाग में वृद्धि की यह दर बनाये रखने के लिए उठाये गये उपायों में विद्यमान क्षमता का पूर्णतम उपयोग, चुने हुए उद्योगों का पूरा करना, कच्चे माल तथा अन्य निविष्टियों की पर्याप्त सप्लाई सुनिश्चित करना तथा औद्योगिक उत्पादन की गहन एवं निरन्तर मानीटरिंग करना शामिल हैं । आधारभूत उद्योगों जैसे बिजली, कोयला, इस्पात, अलौह धातुएं, उर्वरक, सीमेंट आदि तथा अत्यावश्यक वस्तुओं के उत्पादन के रूख पर विशेष ध्यान दिया जाता है ।

Increase in Prices of Tyres & Tubes

557. SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether the major manufacturers of tyres and tubes have increased their prices recently;

(b) whether it is also a fact that this is the fourth time in one year that they are increasing their prices;

(c) if so, what are the details of the price increase effected by those manufacturers during the last one year;

(d) whether Government have given its approval for these increases;

(e) if so, the details and reasons therefor; and

(f) if not, action taken against them?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI ABHA MAITI): (a) and (b). Yes, Sir.